RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY

(UNIVERSITY OF DELHI)

July 2025

NEWSPAPER CLIPPINGS

अमर उजाला 01/July /2025

डीयू के स्नातकोत्तर प्रोग्राम में अब कर सकेंगे मिड एंट्री

दो जुलाई से चार जुलाई तक मिड एंट्री के लिए करना होगा आवेदन

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर प्रोग्राम में दाखिले के लिए दूसरा राउंड रविवार को संपन्न होने के बाद अब छात्र सिस्टम में मिड एंट्री ले सकेंगे। मिड एंट्री का लाभ उन्हीं छात्रों को मिलेगा जो कि पहले स्नातकोत्तर प्रोग्राम में आवेदन करने से चूक गए थे। मिड एंट्री की शुरुआत दो जुलाई से होने जा रही है। मिड एंट्री के लिए छात्रों को एक हजार रुपये आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा। वहीं, छात्रों को फॉर्म में सुधार करने का मौका भी मिलेगा, इसके लिए सुधार खिड़की को एक से दो दिन में खोल दिया जाएगा।

जो छात्र पहले चरण का आवेदन करने से चूके गए थे वह मिड एंट्री के माध्यम से दाखिला रेस का हिस्सा बन सकेंगे। ऐसे छात्रों के लिए दो जुलाई की शाम पांच बजे से मिड एंट्री का अवसर शुरू हो रहा है। यह सुविधा चार जुलाई शाम 4:59 बजे तक मिलेगी। मिड एंट्री की सुविधा समाप्त होने के बाद 8 जुलाई को सीट आवंटन व दाखिले का तीसरा राउंड शुरु होगा जो कि 10 जुलाई तक चलेगा।

स्नातकोत्तर प्रोग्राम में दाखिले का दूसरा राउंड रविवार को संपन्न

सुपरन्यूमरेरेरी इसमें कोटे (स्पोर्ट्स, डीयू कर्मियों के बच्चे, सशस्त्र बलों व अर्धसैनिक बलों के बच्चों व विधवाओं) के लिए भी सीटें आवंटित की जाएंगी।

स्नातकोत्तर प्रोग्राम की 13,500 सीटों पर दाखिले के लिए पहला 9434 छात्रों के हो चुके अब तक दाखिले डीयू दाखिला डीन प्रो हनीत गांधी ने बताया, रविवार को दूसरा राउंड संपन्न हो गया। इस राउंड के तहत अब तक 9,434 दाखिले हो गए हैं। जबकि दाखिले को फ्रीज 5632 छात्रों ने कर लिया है।

वहीं इस राउंड के तहत 2186 ने अपनी सीट से असंतुष्ट होकर सीट को अपग्रेड करने का विकल्प लिया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि जिस तरह से दूसरे राउंड तक दाखिले हो गए हैं उससे तीसरे राउंड में दाखिले के सीमित अवसर ही छात्रों के पास होंगे।

राउंड 17 जून को शुरू हुआ था। उसके तहत 11, 314 सीट आवंटित की गई थी। इनमें से को स्वीकार कर लिया था। 7,586 उम्मीदवारों ने अपनी सीट इनमें से 7690 ने फीस का भुगतान कर अपना दाखिला पक्का कर लिया। जबकि दूसरे राउंड की शुरुआत 24 जून से हुई थी।

डीयू पीजी में सीटें बचीं सीमित, मिड एंट्री से ही मिलेगा मौका

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के की प्रक्रिया हुई समाप्त स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में दो चरण की प्रवेश प्रक्रिया सोमवार को पूरी हो गई। अब तक नौ हजार से अधिक छात्र प्रवेश ले चुके हैं। सीटें सीमित बची हुई हैं। जो छात्र प्रवेश से चूक गए हैं, अब ऐसे छात्र 'मिड एंट्री' प्रक्रिया के तहत दोबारा दाखिले की दौड़ में शामिल हो सकते हैं। मिड एंट्री की प्रक्रिया दो जुलाई शाम पांच बजे से शुरू होकर चार जुलाई शाम 4:59 बजे तक चलेगी।

हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इस चरण में प्रवेश लेना आसान नहीं होगा क्योंकि पहले और दूसरे राउंड में बड़ी संख्या में सीटें भर चुकी हैं। ऐसे में अब सीमित सीटों पर ही मुकाबला होगा। डीयू की डीन आफ एडमिशन प्रो. हनीत गांधी ने ने कहा, पहले राउंड में 13,500 सीटों में से 11,314 आवंटित की गई थीं, जिनमें से 7,690 छात्रों ने दाखिला भी ले लिया। वहीं, दूसरे राउंड में अब तक 9,434 छात्रों का दाखिला हो चुका है। इनमें से 5,632 छात्रों ने अपनी सीट फ्रीज कर दी है

9434

छात्रों ने दो राउंड में लिया प्रवेश, दो राउंड की प्रक्रिया हुई समाप्त

दो चरणों की प्रवेश-प्रक्रिया पूरी।

जबकि 2,186 छात्रों ने सीट अपग्रेड करने का विकल्प चुना है। साथ ही छात्रों को अपने फार्म में सुधार उ फार्म सुधार का भी मौका : मिड एंट्री के का भी अवसर मिलेगा। मिड एंट्री के लिए 1,000 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा।

तीसरे राउंड में होगी आरक्षित कोटे की सीटों की भी आवंटन : मिड एंट्री के बाद आठ जुलाई से तीसरे राउंड की शुरुआत होगी जो 10 जुलाई तक चलेगा। इस राउंड में स्पोर्ट्स, शहीदों की विधवाएं, डीयू कर्मियों व अर्धसैनिक बलों के बच्चों के लिए सीटों का भी आवंटन होगा।

अमर उजाला 8/ July /2025

यूजीसी ड्राफ्ट रेगुलेशन को लिया जाए वापस : डूटा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने यूजीसी ड्राफ्ट रेगुलेशन (2025) को वापस लेने की मांग की है। इस संबंध में डूटा ने राष्ट्रपति (डीयू के विजिटर) को ज्ञापन सौंपा है। इसमें यूजीसी ड्राफ्ट रेगुलेशन 2025 को पीआरसी रिपोर्ट के अभाव में वापस लेने तथा शिक्षकों की लंबे समय से लंबित शैक्षणिक और सेवा संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग की गई है। ज्ञापन को दिल्ली विश्वविद्यालय के करीब 2000 शिक्षकों का समर्थन प्राप्त है।

डूटा की ओर से शिक्षकों, छात्रों और उच्च शिक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रेस वार्ता की गई। डूटा सचिव डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि यूजीसी के मसौदा विनियम 2020 को वर्तमान स्वरूप में लागू नहीं किया जाना चाहिए।

दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

उन्होंने जोर दिया कि किसी भी नए नियामक ढांचे को आगामी 8वें वेतन आयोग से जोड़ा जाना चाहिए और वह शिक्षाविदों से व्यापक परामर्श के बाद ही लागू किया जाना चाहिए।

प्रेसवार्ता में डूटा अध्यक्ष प्रो. एके भागी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत लागू चौथे वर्ष के अंडर ग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क की कमियों को बताते हुए कहा कि इसमें अव्यवहारिक संरचना, . अत्यधिक पेपर लोड और मुख्य विषयों में कम क्रेडिट के चलते शैक्षणिक स्तर पर प्रभाव पड़ रहा है। शिक्षकों पर लगातार बढ़ते शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यभार के बावजूद न तो पर्याप्त नियुक्तियां हुईं और न ही आधारभूत सुविधाएं बढ़ाई गईं। कक्षाओं और प्रयोगशालाओं में छात्रों की भीड़ है, संसाधनों की कमी है और समय से शैक्षणिक कैलेंडर शुरू नहीं हो रहा। इससे शिक्षकों और छात्रों के लिए शैक्षणिक प्रक्रिया बाधित हो रही है।

उन्होंने कहा कि मूक और स्वयं जैसे ऑनलाइन माध्यमों से नियमित छात्रों को क्रेडिट अर्जित करने की अनुमति से विश्वविद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस विस्तार के लिए आवश्यक नए शैक्षणिक पदों को शिक्षा मंत्रालय द्वारा अभी तक स्वीकृति नहीं दी गई है और न ही एनईपी के तहत बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने "के लिए कोई अतिरिक्त आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। ब्यूरो

अमर उजाला 8/July /2025

डीयू : अब आवेदन, कॉलेज व कोर्स चयन की प्रक्रिया साथ-साथ चलेंगी

कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम के तहत दाखिले का दूसरा चरण आज से

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातक कोर्सेज में दाखिले के लिए अब आवेदन व कॉलेज कोर्स चयन की प्रक्रिया साथ-साथ चलेगी।

डीयू में मंगलवार से स्नातक के दाखिले के लिए कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) का दूसरा चरण (कोर्स व कॉलेज का चयन) शुरू होने जा रहा है इस चरण में पंजीकरण (आवेदन) के साथ-साथ कॉलेज व कोर्स की वरीयता का चयन किया जा सकेगा। छात्र 14 जुलाई की रात 11 बजकर 59 मिनट तक चयन कर सकेंगे। डीयू ने स्पष्ट किया है कि सीट आवंटन के लिए छात्र कॉलेज व कोर्स की वरीयता में ज्यादा से ज्यादा कॉलेज व कोर्स भरें।

वरीयता में ज्यादा से ज्यादा कॉलेज और कोर्स भरने की छात्रों को दी सलाह

डीयू की सलाह है कि कॉलेज व प्रोग्राम भरने के लिए छात्रों के पास एक सप्ताह का समय है इसलिए कॉलेज व कोर्स की वरीयताओं को ध्यान से भरना जरूरी है। उनके चयन के आधार पर ही उन्हें सीट का आवंटन होगा। एक बार कॉलेज व कोर्स भरने के बाद यह वरीयताएं 14 जुलाई तक सीएसएएस पर ऑटो लॉक हो जाएंगी।

वरीयता भरने की समय सीमा समाप्त होने के बाद छात्रों को कॉलेज व कोर्स बदलने की अनुमति नहीं मिलेगी। डीयू में दाखिले का पहला चरण (आवेदन प्रक्रिया) 17 जून से शुरू हुई था। अभी यह आवेदन प्रक्रिया जारी है जो कि 14 जुलाई तक चलेगी।

पहले राउंड में अधिकतर सीटें भरने की उम्मीद

इस आवेदन प्रक्रिया के तहत देशभर से अब तक 2,55,187 छात्रों ने साइन अप किया है जबकि अब तक 1,76,837 आवेदन जमा हो चुके हैं। मालूम हो कि डीयू में स्नातक की करीब 71 हजार सीटें हैं। जिस तरह से आवेदन जमा हुए हैं उससे पहले राउंड में अधिकतर सीटें भरने की उम्मीद है। सीट पाने की दावेदारी भी कठिन हो जाएगी। चूंकि अभी तक जिन्होंने आवेदन नहीं किया है वह भी अभी आवेदन कर सकते हैं। मालूम हो कि पहली सीट आवंटन सूची 19 जुलाई को जारी होगी।

सीएसएएस-यूजी के तहत छात्र अपनी पसंद के कॉलेज के साथ पाठ्यक्रम की वरीयता तय कर सकेंगे

डीयू में प्रवेश प्रक्रिया का दूसरा चरण आज से

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता । दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने स्नातक प्रवेश प्रक्रिया 2025 के लिए कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम ■ (सीएसएएस-यूजी) के तहत दूसरा चरण आज से शुरू हो जाएगा। डीयू से प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्र इस दौरान अपनी पसंद के कॉलेज और कोर्स का संयोजन व वरीयता तय कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय के मुताबिक, जिन उम्मीदवारों ने पहला चरण पूरा कर लिया है वही दूसरे चरण के तहत आवेदन कर सकेंगे। छात्र अपने डैशबोर्ड https://ugadmission.uod.ac.in पर लॉग इन करके अपनी पसंद के कोर्स और कॉलेज चुन सकेंगे। डीयू की दाखिला शाखा ने कहा है कि छात्रों द्वारा प्राथमिकता भरने की अंतिम तिथि 14 जुलाई, 2025 की रात 11:59 बजेतक है। इसके बाद प्राथमिकताएं ऑटो लॉक हो जाएंगी। जो उम्मीदवार अभी तक पंजीकरण नहीं कर पाए हैं, उनके लिए भी चरण- एक और चरण-दो दोनों 14 जुलाई तक खुले रहेंगे।

इस बार दाखिला नियमों में हुआ है बदलाव

दाखिला नियमों में इस बार कुछ अहम बदलाव किए गए हैं।

छात्रों को अब एक भाषा और तीन विषय या दो भाषाएं और दो विषयों में से जो भी बेहतर सीयूईटी स्कोर देगा, उसी आधार पर प्रवेश मिलेगा। बीएससी (ऑनर्स) कार्यक्रमों के लिए अब भाषा पेपर में न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक की बाध्यता भी हटा दी गई है। छात्रों को सीट गंवाने से बचाने के लिए ऑटो-एक्सेप्ट फीचर भी लागू किया गया है। सीयूईटी-यूजी 2025 में रिकॉर्ड 13.5 लाख आवेदन आए, जिनमें से सबसे अधिक अंग्रेजी विषय के लिए (8.14 लाख) छात्रों ने आवेदन किया।

11 जुलाई की रात तक कर सकेंगे सुधार : जिन छात्रों ने पहले चरण में आवेदन किया है और आवेदन में कुछ सुधार करना चाहते हैं उनके लिए 11 जुलाई रात 11:59 बजे तक एक सुधार खिड़की उपलब्ध होगी। इसमें वे अपने आवेदन पत्र में बदलाव कर सकते हैं।

यह एक बार दिया जाने वाला अवसर है। इसलिए इसे दोबारा नहीं दिया जाएगा। छात्रों को सुझाव दिया गया है कि यदि जरूरी हो तो ध्यानपूर्वक

सुधार करें। विश्वविद्यालय ने सभी छात्रों को सलाह दी है कि वे नियमित रूप से आधिकारिक वेबसाइट https://admission.vod.ac.in/ पर अपडेट देखते रहें और प्रवेशप्रक्रिया से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। साथ ही, अंडरग्रेजुएट बुलेटिन ऑफइंफॉर्मेशनको जरूर पढ़ें, जो इस लिंक https://www.du. ac.in/uploads/07032025 UG-BOI_compressed.pdf पर उपलब्ध है।

■ डूटा ने कहा- सुविधाओं के बिना कैसे पढ़ेंगे छात्र
■ डीयू के नए सत्र की घोषणा के बाद कई मुद्दे उठाए

छात्रों के भविष्य को खतरे में नहीं डाल सकते हैं : डूटा

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता | दिल्ली विश्वविद्यालय ने एक अगस्त से नया सत्र शुरू करने की घोषणा कर दी है, लेकिन कॉलेज संसाधनों के अभाव से जूझ रहे हैं। इसे लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने सोमवार को एक प्रेसवार्ता की। इसमें डूटा अध्यक्ष प्रो. एके भागी ने आगाह किया कि पर्याप्तसंकाय, बुनियादी ढांचे के हम छात्रों के भविष्य को खतरे में नहीं डाल सकते। प्रो. एके भागी ने कहा कि कॉलेजों में पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। चौथे वर्ष के छात्रों के साथ हम धोखा नहीं कर सकते हैं । कई कॉलेजों में कमरे, शिक्षक, लैब का घोर अभाव है । कोई नीति आ जाए, लेकिन यदि बुनियादी सुविधाएं नहीं होंगी तो छात्र कैसे पढ़ाई करेंगे।

डीयू स्वयं और मूक्स जैसे ऑनलाइन प्लेटफार्म का प्रयोग छात्रों के पढ़ाई के लिए करना चाहता है, लेकिन एक स्वर में हम इसका विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि डीयू में ओबीसी विस्तार के बाद बढ़ी हुई सीटें काफी बाद में मिली, लेकिनईडब्ल्यूएस के तहत छात्रों की संख्या बढ़ाई गई पर विश्वविद्यालय के कॉलेजों में उसके अनुसार शिक्षकों, लैब, पुस्तकालय, स्पोर्ट्स सुविधा आदि नहीं बढ़ाई गई इससे छात्रों पर पढ़ाई की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

डूटा के उपाध्यक्ष सुधांशु कुमार ने पुस्तकालयाध्यक्षों, शारीरिक शिक्षा निदेशकों और प्रशिक्षकों सहित सभी शैक्षणिक भूमिकाओं के लिए सेवा शर्तों, सेवानिवृत्ति आयु और पदोन्नति के अवसरों में समानता की मांग की। उन्होंने नॉट फाउंड सुटेबल प्रावधान के अनुचित प्रयोग की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह निर्णय आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हितों को नुकसान पहुंचाता है। डूटा ने सोमवार को राष्ट्रपति को एक विस्तृत ज्ञापन शिक्षा मंत्रालय के माध्यम से सौंपा। इसमें कई मांगेंउठाई गई हैं।

अमर उजाला 14/July /2025

डीयू में दाखिले के लिए कॉलेज चुनने का आखिरी दिन आज

फेज-1 और फेज-2 के लिए 11:59 के बाद पंजीकरण हो जाएगा बंद

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। शैक्षणिक सत्र 2025- 26 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले को लेकर प्रक्रिया जारी है। कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम पोर्टल पर पंजीकरण का सोमवार को आखिरी दिन है। इसके बाद फेज-1 और फेज-2 के लिए पंजीकरण सोमवार रात 11:59 के बाद बंद हो जाएगा। पोर्टल बंद होने से पहले उम्मीदवार कॉलेज और कोर्स को लेकर प्राथमिकता भर सकेंगे।

16 को जारी होगी आवंटित सीट की सूची

वहीं, बीए एलएलबी (ऑनर्स) और बीबीए एलएलबी ऑनर्स कोर्यक्रम के लिए आवंटित सीट की सूची 16 जुलाई को आएगी। इसके बाद 18 जुलाई की रात 11:59 तक आवंटित सीट को उम्मीदवार स्वीकार कर सकेंगे। इस बीच 19 जुलाई तक विभाग, केंद्र और कॉलेज ऑनलाइन आवेदनों का सत्यापन करेंगे और 20 जुलाई फीस भुगतान की आखिरी तारीख होगी। दूसरे चरण को लेकर आवंटित सीट 22 जुलाई को घोषित होगी। इसके अलावा स्नातकोत्तर में दाखिले को लेकर अपग्रेड राउंड के लिए उम्मीदवार पोर्टल / डैशबोर्ड पर फीस भुगतान की जांच 14 जुलाई तक करेंगे।

पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया आठ जुलाई को शुरू हुई थी। विश्वविद्यालय ने पंजीकरण न कर पाने वाले उम्मीदवारों के लिए फेज-1 और फेज-2 के लिए सोमवार तक का मौका दिया था। फिर 15 जुलाई को अस्थायी रैंक जारी होगी। यह रैंक उम्मीदवार को सीयूईटी स्कोर, कॉलेज और कोर्स के चयन की प्राथमिकता के आधार पर मिलेगी। इससे अलग-अलग 69 कॉलेजों में दाखिले कोर्स के बारे में अनुमान लगा सकेंगे। आवंटित होंगी। इसकी सूची 19 उम्मीदवार· संभावित कॉलेज और को लेकर कोर्सेज के लिए सीट इसके आधार पर उम्मीदवार को कोर्स जुलाई को जारी होगी। 28 जुलाई से और कॉलेज की प्राथमिकता का क्रम लेकर 31 जुलाई के बीच में कॉलेज बदलने में मदद मिल सकेगी। ऑनलाइन ऐप्लिकेशन को मंजूरी और दाखिला के तीसरे फेज में डीयू के उनका सत्यापन करेंगे।

यूजी कोर्स में चौथे वर्ष के लिए शोध की गाइडलाइन हुई मंजूर

उदय जगताप • जागरण

नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी) के तहत चौथे वर्ष में शोध के लिए गाइडलाइन मंजूर हो गई हैं। इसमें मौलिक रूप से कार्य करना अनिवार्य होगा। स्कोपस या उससे समकक्ष जर्नल में प्रकाशन को भी कहा गया है। वैसे विभागों में इसको लेकर एक राय नहीं बन पाई है। कुछ शिक्षकों ने इसे इतना कठिन बनाने पर चिंता जताई है। अकादमिक परिषद की सदस्य ने कुलपति को पत्र लिखकर इसे और स्पष्ट करने को कहा है। पाठ्यक्रम को एक अगस्त से लागू किया जाना है।

छात्रों को चौथे साल में एक समेस्टर में 22 क्रेडिट अर्जित करने हैं। इसके लिए उन्हें तीन डीएसई, एक डीएससी और डिसरटेशन करना होगा। डीएसई के 12 क्रेडिट होंगे, डीएससी के चार और छह क्रेडिट डिसरटेशन के होंगे। डिसरटेशन के नियम काफी कठिन हैं। सातवें सेमेस्टर में छात्रों को प्रयोग, फील्डवर्क करना होगा। इसे अनिवार्य बनाया गया है। छात्र को डिसरटेशन पर पूरे साल काम करना होगा। आठवें सेमेस्टर में छात्रों को प्रयोग या फील्डवर्क का समापन कर डिसरटेशन जमा करना होगा।

कुलपति प्रो. योगेश सिंह ।

शोध आउटपुट में प्रोटोटाइप, प्रोडक्ट डेवलपमेंट या पेटेंट, डीआरसी और बीआरएस द्वारा अनुशंसित व रिसर्च काउंसिल द्वारा अनुमोदित अन्य अकादमिक कार्य, स्कोपस इंडेक्स या समकक्ष जर्नल में प्रकाशन या किसी प्रकाशक से प्रकाशित पुस्तक या पुस्तक अध्याय लेखन का कार्य छात्र को करना होगा। अकादमिक परिषद की सदस्य डा. माया जान ने कुलपति प्रो. योगेश सिंह और डीन एकेडमिक्स प्रो. रत्नाबली को लिखे पत्र में इसे अव्यावहारिक व अनुचित बताया है। परिषद में सहमति बनी कि विभागों को 'अन्य अकादमिक कार्यों के विकल्प सुझाने होंगे, जो स्कोपस प्रकाशन का विकल्प बन सकें। वर्तमान में डिसरटेशन और अकादमिक प्रोजेक्ट के मूल्यांकन की प्रक्रिया पर अस्पष्टता है। डीयू के कई कालेज शिक्षकों का सुझाव है कि शोध परिणाम के रूप में स्कोपस प्रकाशन की बाध्यता हटाई जानी चाहिए। इसके स्थान पर अंतिम मूल्यांकन बाहरी परीक्षक द्वारा वायवा के माध्यम से होना चाहिए। शिक्षकों ने मांग की है कि विवि प्रशासन जल्द विभागों को अधिसूचित करे कि कब तक वे विषय के लिए ऐसे शोध परिणामों के प्रस्ताव भेज दें, जो स्कोपस इंडेक्स जर्नल प्रकाशन के विकल्प हो सकें।

आज आखिरी मौका, समझदारी से भरें कालेज व कोर्स की प्राथमिकता

जासं, नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए इच्छुक छात्रों के लिए सोमवार का दिन अहम है। कामन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस-यूजी 2025) के दूसरे चरण में कालेज व कोर्स चुनने की प्रक्रिया रविवार रात 11:59 बजे खत्म हो जाएगी। इस चरण के बाद छात्रों को अपनी पसंद बदलने का मौका नहीं मिलेगा, इसलिए विशेषज्ञों का कहना है कि उन्हें सोच-समझकर क्रम तय करना चाहिए। डीयू प्रवेश शाखा के अधिकारियों के अनुसार, छात्रों को सलाह दी गई है कि वे अपने पसंदीदा कोर्स और कालेज को प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखें।

हिंदुस्तान 15/July /2025

'डीयू में महिला सुरक्षा को लेकर मजबूत तंत्र बने'

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय का नया सत्र एक अगस्त से शुरू होने वाला है। सत्र शुरू होने से पहले डीयू के कैंपस और कॉलेजों में महिला सुरक्षा को मजबूत तंत्र बनाने की मांग डीयू में विद्वत परिषद की महिला प्रतिनिधियों ने की है। इंडियन नेशनल टीचर्स कांग्रेस (इंटेक) की विद्वत परिषद की सदस्य प्रो. नीलम और डॉ. लतिका गुप्ता सोमवार को डीयू के कुलपति कुलपति को एक पत्र सौंपा, जिसमें महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई।

डीयू आज अनुमानित रैंक घोषित करेगा

नई दिल्ली, प्र.सं.। डीयू आज विश्वविद्यालय अनुमानित रैंक घोषित करेगा। इसके अनुसार अभ्यर्थी 16 जुलाई तक अपनी वरीयता बदल सकते हैं। 19 जुलाई को पहली लिस्ट के आधार पर दाखिले शुरू होंगे।

ज्ञात हो कि डीयू ने पहले ही एक अगस्त से सत्र शुरू करने की घोषणा की है। अब तक डीयू ने दो आवंटन सूची के आधार पर दाखिले की तिथि तय की है। हालांकि, विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि आवश्यकतानुसार और सीटें रिक्त रहने पर आगे और भी राउंड आयोजित किए जा सकते हैं। छात्रों को सलाह दी गई है कि वे नियमित रूप से डीयू की वेबसाइट देखें, जिससे उनको अपडेट पता चल सके। सिम्युलेटेड रैंक लिस्ट एक अस्थायी सूची होती है, जो छात्रों को यह अनुमान देती है कि उनके सीयूईटी स्कोर और भरी गई कॉलेज-कोर्स वरीयताओं के आधार पर उन्हें किस कॉलेज या कोर्स में दाखिला मिल सकता है। यह लिस्ट वास्तविक दाखिला सूची नहीं होती, बल्कि केवल एक डेमो होती है, ताकि छात्र समझ सकें कि उनकी वर्तमान वरीयताओं के अनुसार उनकी क्या स्थिति बन रही है । किसी को लगता है कि उनके स्कोर के अनुसार बेहतर कॉलेज या कोर्स मिल सकता है तो वे अपनी पसंद को बदल सकते हैं।

ये तिथियां हैं महत्वपूर्ण

1. पहली आवंटन सूची जारी	**19 जुलाई, शाम पांच बजे जारी होगी**
सीट स्वीकार करने की अंतिम तिथि • ऑनलाइन आवेदन सत्यापन • फीस भरने की अंतिम तिथि • रिक्त सीटों की जानकारी	21 जुलाई, शाम 4:59 बजे 19 जुलाई - 22 जुलाई के बीच 23 जुलाई, शाम 4:59 बजे 24 जुलाई, शाम पांच बजे
नोट : उच्च वरीयता पुनः क्रमित करने की विंडो 24-25 जुलाई को खुलेगी	
2. दूसरी आवंटन सूची	**28 जुलाई को जारी होगी**
सीट स्वीकार करने की तिथि	28 जुलाई-30 जुलाई
आवेदन सत्यापन (दूसरी सूची)	28-31 जुलाई
फीस भरने की अंतिम तिथि	1 अगस्त, शाम पांच बजे

अमर उजाला 15/July /2025

डीयू : नए सत्र से महाविद्यालयों वाजिन में बढ़ाया जाएगा कक्षाओं का समय

रश्मि शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के एक अगस्त से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र 2025-26 में करीब 60 फीसदी छात्र चौथे वर्ष में प्रवेश करेंगे। इसके लिए कॉलेजों ने कक्षाओं की समय सीमा में एक घंटा बढ़ोतरी करने की तैयारी की है।

कई कॉलेजों में आधा घंटा तो कुछ जगह कक्षाओं का समय एक घंटे तक बढ़ जाएगा। इसके साथ ही कई कॉलेजों में सप्ताहांत भी कक्षाएं लगेंगी। वहीं कई जगह कमरों की कमी के कारण कॉलेज कक्षाएं पोर्टा केबिन में लगाएंगे। यह केबिन एसी की सुविधा से लैस होंगे।

डीयू में तीन साल पहले लागू हुए चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम के तहत कई छात्र इस साल चौथे वर्ष में प्रवेश करेंगे। ऐसी संभावना है कि करीब 60 फीसदी छात्र चौथे वर्ष में पहुंचेंगे। इसके लिए कई कॉलेजों के पास इन छात्रों को पढ़ाने के लिए कमरों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इस कारण से कई कॉलेज कक्षाओं की समय सीमा को बढ़ाने जा रहे हैं। अब तक डीयू में तीन वर्षीय स्नातक प्रोग्राम की पढ़ाई होती थी।

कई कॉलेजों में आधा घंटा, तो कुछ जगह कक्षाओं का समय एक घंटा बढ़ जाएगा

सप्ताहांत में भी कक्षाएं लगेंगी, कमरों की कमी के कारण पोर्टा केबिन में पढ़ेंगे

3 तीन साल पहले लागू हुआ चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम

इस तरह से केवल छे सेमेस्टर में पढ़ाई पूरी हो जाती थी, लेकिन इस साल से चौथे वर्ष में प्रवेश पाने के कारण सातवें व आठवें सेमेस्टर की पढ़ाई भी होगी। इसके लिए कमरों, शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था कॉलेजों ने करनी शुरू कर दी है।

रामानुज़न कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रसाल सिंह ने बताया कि हम कॉलेज का समय बढ़ाकर और सप्ताहांत में कक्षाएं लगाकर समय सारिणी को पुनर्नियोजित कर रहे हैं । इस तरह से पांच दिन की जगह छह दिन की कक्षाएं लगेंगी। कक्षाओं का समय इस तरह से केवल छह सेमेस्टर में सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगा। ट्यूटोरियल्स की जगह कक्षाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं। अतिरिक्त वर्कलोड के लिए अतिथि शिक्षक नियुक्त कर रहे हैं। वहीं कक्षाओं के लिए कमरों की कमी नहीं होने पाए, इसके लिए इमारत के निर्माणाधीन खंड को हैंडओवर करने के लिए संबंधित एजेंसी पर दबाव बना रहे हैं। भविष्य की आवश्यकताओं के मद्देनजर बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए लगभग 6 माह पहले हायर एजुकेशन फाइनेंस एजेंसी (हीफा) लोन के लिए भी आवेदन कर दिया है।

अतिरिक्त कमरे भी बनवाए गए

आर्यभट्ट कलिंज के प्राचार्य प्रो. मनोज सिन्हा ने बताया कि हमने चौथे वर्ष में प्रवेश के लिए कक्षाओं के समय को बढ़ाया है। अब तक कक्षाओं की शुरुआत सुबह 8:30 बजे से 5:30 बजे तक होती थी। अब वह समय सुबह 8 बजे से शाम छह बजे तक हो जाएगा। यदि जरूरत पड़ी तो कलाएँ। सुबह 7:30 बजे से भी लगाई जा सकती हैं। वहीं पांच दिन की जगह कक्षाएं छह दिन लगेंगी। कमरों की कमी को पूरा करने के लिए अतिरिक्त कमरे भी बनवाए गए हैं।

किरोड़ीमल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. दिनेश खट्टर बताया कि हमने कक्षाओं के समय में एक घंटा बढ़ा दिया है। अब तक सुबह 8:40 से शाम पांच बजे तक कक्षाएं चलती थीं, अब सुबह 8:40 से शाम 5:40 तक कक्षाएं चलेंगी। छात्रों को 25 मिनट का एक ब्रेक मिलता था, अब बंद कर दिया है। कक्षाओं के लिए कमरों की कमी न हो, इसके लिए सीपीडब्ल्यूडी से सात कमरे बनवा रहे हैं। शिक्षकों के वर्कलोड को लेकर भी काम किया जा रहा है जो कि सत्र शुरू होने से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

अमर उजाला 15/July /2025

डीयू में दाखिले के लिए आज मिलेगी संभावित रैंक

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र -2 25-26 में स्नातक की 71 हजार से अधिक सीटों पर दाखिले के लिए मंगलवार शाम पांच बजे सिमयुलेटिड (संभावित) रैंक जारी होगी। छात्रों की ओर से कॉलेज व कोर्स की वरीयताओं के आधार पर रैंक को छात्रों के डैशबोर्ड पर जारी. किया जाएगा। इस रैंक से छात्रों को अपने दाखिले का अंदाजा लग जाएगा। ऐसे में एक बार फिर से कॉलेज व कोर्स की प्राथमिकताओं में बदलाव कर सकेंगे।

इस रैंक में छात्रों के लिए सीट आवंटन की गारंटी नहीं होगी। आठ जुलाई को कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) पोर्टल पर कॉलेज व प्रोग्राम की वरीयताओं को भरने का अवसर मिला था। छात्रों को इस प्रक्रिया को 14 जुलाई आधी रात तक पूरा करना था। यदि किसी छात्र ने

सीयूईटी स्कोर और छात्र की भरी गई प्राथमिकताओं के आधार पर जारी किया जाएगा

कॉलेज व प्रोग्राम की प्राथमिकताओं को सेव नहीं किया तो अब वह ऑटो लॉक हो गई हैं। डीयू पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वरीयताओं में बदलाव करने पर छात्रों को उन्हें सेव भी करना होगा। अन्यथा अंतिम सेव की गई प्राथमिकताएं स्वतः लॉक हो जाएंगी।

प्राथमिकताओं के आधार पर 15 की शाम पांच बजे सिमयुलेटिड रैंक को जारी करेगा। इसके बाद छात्रों को 15 व 16 जुलाई तक अपनी प्राथमिकताओं में सुधार का मौका मिलेगा। इसके लिए प्रशासन सुधार विंडो खोलेगा। इसके बाद 19 की शाम पांच बजे पहली कॉमन सीट एलोकेशन लिस्ट जारी की जाएगी। छात्र सिमयुलेटिड रैंक से कोर्स की सीटों की संख्या के आधार पर दाखिलें की संभावना का अंदाजा लगा सकेंगे।

अमर उजाला 15/July /2025

डीयू में शाम को सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण के उपायों को सुदृढ़ करने के संबंध में इंटेक के अकादमिक और कार्यकारी परिषद सदस्यों ने कुलपति को पत्र लिखा है। पत्र में सदस्यों ने डीयू के कॉलेजों और विभागों में महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण को लेकर गहरी चिंता जताई है। अकादमिक परिषद सदस्य प्रो नीलन, डॉ. लतिका गुप्ता और कार्यकारी परिषद सदस्य अमन कुमार की ओर से लिखे पत्र में डीयू के विभागों व कॉलेजों में शाम के समय प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ाने की मांग की है।

सदस्यों का कहना है कि महिला छात्रों शिक्षकों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि एक स्वस्थ अकादमिक वातावरण बनाए रखने के लिए भी अनिवार्य है। उन्होंने डीयू ने विभिन्न उपायों पर विचार करने का अनुरोध किया है। सदस्यों ने पत्र में कहा है कि परिसर सुरक्षा को सुदृढ़ बनाया जाए । विशेष रूप से शाम के समय प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ाई जाए। संवेदनशील क्षेत्रों जैसे मार्गों, छात्रावासों और आम स्थानों में रोशनी की व्यवस्था बेहतर की जाए। सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाए। छात्रों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर नियमित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक कॉलेज में आंतरिक शिकायत समिति सक्रिय, प्रशिक्षित और सुलभ हो। देर शाम कक्षाओं या कार्यक्रमों में भाग लेने वाली छात्राओं के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन की सुविधा प्रदान की जाए। आपात स्थिति में तत्काल सहायता के लिए पैनिक बटन व चौबीस घंटे हेल्पलाइन की व्यवस्था की जाए। ब्यूरो

अमर उजाला 17/July /2025

डीयू: स्पोर्ट्स कोटे से दाखिले के लिए ट्रायल 25 जुलाई से

अमर उजाला ब्यूरो

400 में से कम से कम 200 * अंक प्राप्त करना जरुरी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्पोर्ट्स कोटे से दाखिले के लिए ट्रायल 25 जुलाई से शुरू होंगे। डीयू ने अभी स्पोर्ट्स ट्रायल शुरू होने की तिथि की घोषणा की है। कौन से खेल के लिए कब ट्रायल होगा, इसे जल्द ही जारी किया जाएगा। इस कोटे से उन छात्रों का दाखिला होता है जो अपनी खेल उपलब्धि के आधार पर कॉलेजों में दाखिला लेना चाहते हैं।

स्पोर्ट्स कोटे से दाखिले के लिए 50 फीसदी ट्रायल स्कोर, 25 फीसदी सीयूईटी स्कोर और 25 फीसदी सर्टिफिकेट स्कोर को देखा जाएगा। इसके आधार पर एक संयुक्त स्पोर्ट्स मेरिट बनेगी। छात्रों का 400 में से कम से कम 200 अंक प्राप्त करना जरूरी है। सीयूईटी क्वालिफाई करने वाले छात्रों को अपनी खेल उपलब्धियों के आधार पर ट्रायल में भाग लेना होगा। ट्रायल में प्रदर्शन और खेल प्रमाणपत्रों की जांच के आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि स्पोर्ट्स कोटे के तहत प्रवेश के लिए छात्रों को न्यूनतम 50 फीसदी अंक (75 में से 38) ट्रायल में प्राप्त करने होंगे ताकि वे अंतिम मेरिट सूची में शामिल हो सकें।

ट्रायल के संबंध में विस्तृत शेड्यूल, जल्द ही वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। डीयू ने किसी भी बदलाव या अपडेट के लिए नियमित रूप से डीयू की आधिकारिक वेबसाइट देखते रहने की सलाह दी।

डीयू को नए तरीके से सजाने संवारने की जिम्मेदारी सबकी : वीसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), 103 साल पुराना विश्वविद्यालय है। हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि इसका पुर्ननिर्माण किया जाए, इसे नए तरीके से बनाया व सजाया जाए। यह बातें डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने आर्ट्स फैकल्टी में टैगोर भवन के उद्घाटन के अवसर पर कही। इस दौरान उन्होंने डीयू आर्ट्स फैकल्टी में चल रहे नव निर्माण का भी अवलोकन किया।

डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बुधवार को आर्ट्स फैकल्टी के टैगोर भवन में नवीनीकृत टैगोर हॉल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समय के साथ चीजों को ठीक करने की आवश्यकता रहती है। इसलिए डीयू में इस तरह की सभी सुविधाओं के नवीनीकरण का निर्णय लिया गया था। इनमें से शंकर लाल हॉल और टैगोर हॉल के नवीनीकरण का कार्य पूरा हो चुका है। इस कड़ी में अन्य सुविधाओं के नवीनीकरण का कार्य चल रहा है।

कुलपति ने आर्ट्स फैकल्टी क्षेत्र में चल रहे नव निर्माण का अवलोकन किया। उन्होंने सड़क से लेकर लाइब्रेरी के नए बन रहे भवन तक खुद सभी चीजों को बारीकी से देखा। ब्यूरो

.....

डीयू में 25 से शुरू होंगे स्पोर्ट्स कोटा प्रवेश के लिए ट्रायल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

> जल्द वेबसाइट पर जारी किया जाएगा विस्तृत शेड्यूल

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्पोर्ट्स कोटा के तहत स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ट्रायल की तारीखों की घोषणा कर दी है। विश्वविद्यालय के आधिकारिक नोटिस के अनुसार, स्पोर्ट्स कोटा के तहत प्रवेश के लिए ट्रायल 25 जुलाई से शुरू होंगे। यह प्रक्रिया उन छात्रों के लिए है जो अपनी खेल उपलब्धियों के आधार पर डीयू के विभिन्न कालेजों में प्रवेश लेना चाहते हैं। जल्द इसका विस्तृत शेड्यूल जारी किया जाएगा।

डीयू में स्पोर्ट्स कोटा के तहत प्रवेश प्रक्रिया दो चरणों में होती है। पहले चरण में उम्मीदवारों को कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी यूजी) में न्यूनतम योग्यता अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। सीयूईटी क्वालिफाई करने वाले उम्मीदवारों को अपनी खेल उपलब्धियों के आधार पर ट्रायल में भाग लेना होगा। ट्रायल में प्रदर्शन और खेल प्रमाणपत्रों की जांच के आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार

दिल्ली विश्वविद्यालय फाइल

की जाएगी। विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि स्पोर्ट्स कोटा के तहत प्रवेश के लिए उम्मीदवारों को न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे ताकि वे अंतिम मेरिट सूची में शामिल हो सकें। 25 प्रतिशत सर्टिफिकेट के 25 प्रतिशत सीयूईटी के और 50 प्रतिशत अंक ट्रायल के होंगे। कुल 400 में से छात्र को 200 अंक हासिल करने होंगे। छात्र अधिक जानकारी के लिए (admission.uod. ac.in) पर जानकारी ले सकते हैं।

राष्ट्रीय दैनिक जागरण 22/July /2025

हास्टल, फीस और सुरक्षा को लेकर डीयू छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) प्रशासन की नीतियों और छात्र विरोधी रवैये के खिलाफ सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने विरोध प्रदर्शन करते हुए छात्र अधिकार मार्च निकाला। हजारों की संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया और मार्च के समापन के बाद अभाविप व दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) पदाधिकारी विश्वविद्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए।

यह मार्च दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल आफ ओपन लर्निंग (एसओएल) से शुरू होकर मेट्रो की मुख्य सड़क से होते हुए आर्ट्स फैकल्टी परिसर तक पहुंचा। अभाविप के दिल्ली प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि हास्टल, फीस और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर छात्र सालों से आवाज उठा रहे हैं लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। यह मार्च प्रशासन के लिए

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मार्च निकालते डीयू छात्र ।

अंतिम चेतावनी है। जब तक हमारी मांगें नहीं मानी जातीं, धरना जारी रहेगा। डूसू सचिव मित्रविंदा कर्णवाल ने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर विश्वविद्यालय की उदासीनता बेहद चिंताजनक है। आइसीसी केवल नाम मात्र के लिए बनी हुई हैं जबकि जमीनी स्तर पर इनकी कोई भूमिका नहीं दिखती। हम छात्राओं की गरिमा और सुरक्षा के लिए जवाबदेह व्यवस्था की मांग करते हैं। वहीं, डूस उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि य आंदोलन केवल मांगपत्र नहीं है बल्कि छात्र समुदाय के अधिकारों की रक्षा अभियान है।

अमर उजाला 22/July /2025

डीयू : पहले राउंड में ही करीब आधी सीटें हो सकती हैं फ्रीज

अंतिम दिन तक 80 हजार से अधिक छात्रों ने सीट की स्वीकार, 17,702 ने किया फीस का भुगतान

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के शैक्षणिक सत्र 2025- 26 में 79 स्नातक प्रोग्राम के पहले राउंड में ही आधी सीटें फ्रीज हो सकती हैं। कई नामी कॉलेजों में तो दूसरे राउंड में दाखिले के लिए कम ही सीटें बचेंगी।

शनिवार को जारी पहले सीट आवंटन के तहत कुल 71, 624 सीटों के लिए 93,166 सीटें आवंटित की गई थी। सोमवार शाम पांच बजे तक छात्रों के पास सीट स्वीकार करने का मौका था । इ तीन दिनों में 80,015 छात्रों ने सीट को स्वीकार कर लिया है।

31,008 छात्रों के दाखिले कॉलेजों ने मंजूर कर लिए जिसमें से 17,702 छात्रों ने अपनी आवंटित सीट से संतुष्ट होकर फीस का भुगतान कर दाखिला पक्का कर लिया है। कॉलेजों में बीकॉम ऑनर्स, बीकॉम, राजनीति शास्त्र ऑनर्स, अंग्रेजी ऑनर्स, इतिहास ऑनर्स, बीए प्रोग्राम कॉम्बिनेशन की सीटें ज्यादा स्वीकार की जा रही हैं।

रविवार तक कुल आवंटित सीटों पर 72,659 ने अपनी सीट को स्वीकार कर लिया था जबकि सोमवार शाम तक यह आंकड़ा 80 हजार को पार कर गया। इस तरह से

बड़ी संख्या में सीट भरने की स्थिति पहले सीट आवंटन राउंड में ही तो दूसरे राउंड मे कम ही सीटें बचने बन रही है। ऐसे में नामी कॉलेजों में की संभावना है।

पहले राउंड में कितनी सीटें भरी इसकी सही स्थिति का पता 24 जुलाई तक ही चल सकेगा। डीयू प्रशासन ने इस बार रिक्त सीटों की समस्या से बचने और शैक्षणिक सत्र को एक अगस्त से शुरू करने के

लिए अलग फॉर्मूला अपनाया है। इसके लिए नॉर्थ कैंपस कॉलेजों को छोड़कर सांध्यकालीन कॉलेजों में 80-100 फीसदी और मिडल कॉलेजों (39 कॉलेजों) में 20 से 35 फीसदी तक की अतिरिक्त सीटें आवंटित की गई हैं।

एसआरसीसी, हिंदू, हंसराज, मिरांडा हाउस, सेंट स्टीफंस कॉलेज प्राथमिकताओं में पहली पसंद कॉलेजों को छात्रों ने अपनी में ज्यादा दाखिले हो रहे हैं। इन हनीत गांधी ने बताया कि अभी बनाया था। डीयू दाखिला डीन प्रो. छात्रों के पास इस राउंड की फीस भुगतान करने के लिए 23 जुलाई सीट को अपग्रेड करने का अवसर तक का समय है। छात्रों को अपनी भी मिलेगा। अगला राउंड शुरू होने से पहले खाली सीटों की जानकारी भी जारी की जाएगी।

अमर उजाला 22/July /2025

डीयू : अधिकार मार्च से छात्रों ने हितों की उठाई आवाज

एबीवीपी ने नॉर्थ कैंपस में डीयू प्रशासन के खिलाफ किया प्रदर्शन

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने अधिकार मार्च से छात्र हितों की आवाज उठाई। छात्र हितों से जुड़ी कई अहम मांगों को लेकर बड़ी संख्या में छात्र अधिकार मार्च में शामिल हुए।

मार्च के समापन के बाद 'पदाधिकारी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। मार्च डीयू के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) से शुरू हुआ और मेट्रो की मुख्य सड़क से होते हुए कला संकाय पर समाप्त हुआ। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर छात्रों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। छात्रों की मांग रही कि विश्वविद्यालय में केंद्रीयकृत हॉस्टल आवंटन प्रणाली को शीघ्र लागू किया जाए, एक कोर्स एक फीस नीति को पीजी पाठ्यक्रमों में लागू किया जाए, कॉलेजों में अनैतिक रूप से बढ़ाई गई फीस को तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाने एवं सभी कॉलेजों में आंतरिक शिकायत समिति का पूर्णतः गठन किया जाए। एबीवीपी दिल्ली प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा प्रशासन लगातार छात्रों की समस्याओं की अनदेखी कर रहा है।

उन्होंने कहा कि हम हॉस्टल फीस और सुरक्षा जैसे मूलभूत मुद्दों को लेकर वर्षों से आवाज उठा रहे हैं लेकिन समाधान के नाम पर केवल औपचारिकता की जाती है। अब यदि किया तो हमारा धरना और आंदोलन प्रशासन ने संवाद और समाधान नहीं और व्यापक रूप लेगा। वहीं, जब तक हमारी मांगें मानी नहीं जाती तब सचिव मित्रविंदा कर्णवाल ने कहा कि तक हम धरने पर से उठेंगे नहीं। डूसू हम छात्राओं की गरिमा, सुरक्षा और शिकायत निवारण की पूरी व्यवस्था की मांग करते हैं तथा विश्वविद्यालय प्रशासन से अपनी मांगों को मानने की मांग करते हैं।

अमर उजाला 23/July /2025

डीयू में तीन दिवसीय कॉलेज शिक्षक विकास कार्यक्रम शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्राणी शास्त्र विभाग की ओर से मंगलवार को यूजी रिसर्चः यूजीसीएफ एनईपी 2020 के तहत आगे की राहत विषय पर तीन दिवसीय कॉलेज शिक्षक विकास कार्यक्रम (एफडीपी) की शुरुआत हुई। यह कार्यक्रम 25 जुलाई तक चलेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातक अनुसंधान को सुदृढ़ करने के लिए डीयू के कॉलेजों के 50 से अधिक प्राणी विज्ञान संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया है। मुख्य अतिथि के रूप में- दिल्ली प्रदेश भाजपा की उपाध्यक्ष लता गुप्ता ने महिला सशक्तिकरण, मानसिक स्वास्थ्य और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देते हुए वास्तविक दुनिया वि की चुनौतियों से निपटने में अनुसंधान ए की भूमिका पर जोर दिया। विशिष्ट, अतिथि डीयू के डीन ऑफ कॉलेजेज जि बलराम पाणि ने अनुसंधान के वै महत्व और प्रभावशाली परिणाम प्राप्त करने के लिए उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया।

शैक्षणिक मामलों की डीन प्रो. के रत्नाबली ने यूजीसीएफ के अंतर्गत स्नातक अनुसंधान के दिशानिर्देश और चुनौतियां विषय पर उद्घाटन व्याख्यान दिया। वहीं, प्राणीशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. रीता सिंह ने एक मजबूत स्नातक अनुसंधान संस्कृति को पोषित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। ब्यूरो

दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया के दौरान 43 हजार विद्यार्थियों ने कॉलेज-कोर्स अपग्रेड का विकल्प चुना

पहले चरण में 16 हजार ने पक्की की सीट

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पहले राउंड का एक चरण गुरुवार को पूरा हो गया । पहले राउंड में लगभग 16 हजार छात्रों ने अपनी सीट पक्की कर ली है। वहीं, 43 हजार के लगभग छात्रों ने अपग्रेड का विकल्प चुना है। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक, दूसरी सूची 28 ■ जुलाई को जारी की जाएगी।

डीयू प्रशासन के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रमों में पहले राउंड की प्रवेश ■ प्रक्रियामें अबतक कुल 62 हजार 565 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसमें से 34 हजार 14 छात्राएं और 28 हजार 551 छात्र शामिल हैं। डीयू प्रशासन ने फीस भुगतान की अंतिम तिथि बुधवार की रात 11.59 बजे तक के लिए बढ़ा दी थी। ताकि, अधिक से अधिक छात्र अपनेदाखिलेकी पुष्टिकर सकें। पहले राउंड में 16 हजार 126 छात्रों ने अपनी सीट फ्रीज करा ली है यानी वे अपनी अपने कॉलेज और पाठ्यक्रम से संतुष्ट हैं। वहीं, 43 हजार 741 छात्रों ने अपनी वरीयताओं को दोबारा क्रमित किया है।

पहले राउंड में 93 हजार से ज्यादा छात्रों को सीट आवंटित

डीयू ने पहले राउंड में 93 हजार 166 छात्रों को सीट आवंटित की। यह कुल उपलब्ध सीटों से 30 फीसदी ज्यादा है। कोई सीट खाली नहीं रह जाए इसलिए उपलब्ध सीटों से ज्यादा छात्रों का आवंटन किया गया। एकल बालिका शिशु की श्रेणी में 1325 व अनाथ श्रेणी के छात्रों में 259 छात्रों को सीटें मिली हैं। इनमें 143 अनाथ छात्र और 949 एकल बालिका शिशु पहले ही दाखिला ले चुके हैं।

दूसरे राउंड की प्रमुख तिथियां

■ 28 जुलाई की शाम पांच बजे दूसरी सूची जारी
■ 28 से 30 जुलाई शाम 4.59 बजे तक चयनित छात्रों कुल पंजीकरण द्वारा सीट स्वीकृति
■ 28 से 31 जुलाई तक कॉलेजों द्वारा आवेदन का सत्यापन
■ 01 अगस्त शाम 4.59 बजे तक ऑनलाइन फी भुगतान की अंतिम तिथि

आज शाम तक बदल सकेंगे वरीयता

डीयू प्रशासन के मुताबिक, वेबसाइट पर रिक्त सीटों और वरीयता में बदलाव आदि के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध है। 24 जुलाई की शाम पांच बजे से छात्रों को उनके डैशबोर्ड पर रिक्त सीटों की जानकारी दी गई है। जिन छात्रों ने सीट ली है और अपग्रेड विकल्प चुना है वे अब 25 जुलाई को शाम 4.59 बजे तक अपनी वरीयता सूची को फिर से क्रमित कर सकते हैं। इसके बाद छात्रों को दोबारा यह अवसर नहीं मिलेगा और सीटें ब्लॉक हो जाएंगी।

डेसू में प्रथम सीट आवंटन सूची जारी, दो हजार छात्रों को प्रवेश

नई दिल्ली। दिल्ली स्किल एंड इंटरप्रिन्योरशिप यूनिवर्सिटी (डेसू) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए अपने तीन वर्षीय तकनीकी डिप्लोमा कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रथम सीट आवंटन सूची जारी कर दी है। इस वर्ष सात हजार से अधिक आवेदकों मेंसेदोहजार 773 उम्मीदवारों को मेरिट- कम आरक्षण मानदंड और उनकी कार्यक्रम व परिसर प्राथमिकताओं के आधार पर प्रवेशदियागयाहै। यूनिवर्सिटी प्रशासन के मुताबिक दो हजार से अधिक आवेदकों को उनकी पहली पसंद का कार्यक्रम और परिसर मिला है। जबकि, एक आवेदक को चौदवीं पसंद प्राप्त हुई है। इससे कुछ कार्यक्रमों में तीव्र प्रतिस्पर्धा का पता चलता है । ओपन श्रेणी (गैर-दिल्ली) के उम्मीदवारों केलिएकट-ऑफ रैंक सबसे अधिक रही। इसके बाद ओपन श्रेणी (दिल्ली) के उम्मीदवारों की कट-ऑफ रही। प्रशासन के मुताबिक सीट स्वीकृत करने की अंतिम तिथि 26 जुलाई शाम पांच बजे तक है। जबकि, शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 29 जुलाई है। जिन छात्रों को उनकी पहली पसंद आवंटित हुई है वे उ सीधे सीट स्वीकार कर ऑनलाइन ब भुगतान गेटवे के माध्यम से प्रवेश शुल्क जमा कर सकते हैं। जबकि, जिन्हें पहली मा पसंद से भिन्न कोई अन्य विकल्प मिला है, वे वर्तमान प्रस्ताव को अंतिम रूप में क स्वीकार कर सकते हैं ।